DEPARTMENT OF HINDI

B.N. COLLEGE(AUTONOMOUS), DHUBRI

Syllabus

Of

FYUGP- B.A. 1st Semester Hindi

(Approved in the BOS meeting)

Submitted to IQAC ON 28.02.2025

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय हिन्दी

छमाहि प्रथम

पेपर नाम: आदिकालीन काव्य

पेपर कोड: **HIN-DSC/DSE-141**

क्रेडिट:4 (सैधान्तिक क्रेडिट :4 व्यवहारिक क्रेडिट:0)

कुल अंक : 100(बाह्य परीक्षण:80 +आन्तरिक परीक्षण :20)

समयावधी :60 घंटे (व्याख्यान:48 व्यवहारिक :00 ट्यूटोरियल -12

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम के मध्यम से विद्यार्थियों को आदिकाल की सम्यक जानकारी देना तथा आदिकाल के काव्य एवं उनकी रचानाओ से परिचित करन। इस पाठ्यक्रम का उदेश्य है।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :

1.साहित्य के इतिहास की अवधारण एवं इतिहास दृष्टि से विद्यार्थियों को जागरूक करना।

2.आदिकालीन साहित्येतिहास के साथ-साथ उक्त काल के काव्य को विद्यार्थियों के लिए बोधगम्य बनाना।

3. काव्य के साथ साहित्येतिहास को प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित करना।

4.हिंदी काव्य के विकास से अवगत करना।

5.आदिकालीन काव्य को विद्यार्थी बहुआयामी स्तर पर समझ पाएंगे।

6.साहित्य इतिहास के माध्यम से तत्कालिक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, और आर्थिक परिस्थितयों से परिचित होंगे।

मुख्य पाठ्यक्रम :

इकाई (नामसहित)	**क्रेडिट**	**पाठ्य विषय**	**कक्षा सांखया**	**अंक(बाह्य परिक्षण +आंतरिक परीक्षण**
1 हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि.	1	साहित्येतिहास: अवधरणा एवं इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन परम्परा एवं पुनर्लेखन की आवश्यकता, काल विभाजन एवं नामकरण।	**15**	**25 (20 +5)**
2 आदिकालीन साहित्य	1	आदिकाल की पृष्टभूमि, समय-सीमा एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्य सिद्ध, नाथ, जैन, रासो,	**15**	**25 (20+5)**

		लौकिक एवं गद्य साहित्य , आदिकालीन साहित्य की प्रवित्तिया एवं उपलाब्धिया		
3 आदिकाल के प्रमुख कवि	1	आदिकाल के प्रमुख कवि - चंदबरदाई , सरहपा , अब्दुर्रहमान, अमीर खुसरो, गोरखनाथ- संक्षिप्त परिचय	**15**	**25 (20 +5)**
4 आदिकाल की प्रमुख रचनाये	1	विद्यापति –(पद सख्या- 5,14,23,54,102 (विद्यापति की पदावली निर्धारित पुस्तक- पृथ्वीराज रासो : शशिव्रता विवाहप्रस्ताव (पद -1-5)	**15**	**25 (20+5)**

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u>

1) हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

2) हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ. नगेंद्र, मयूर पुस्तक, नई दिल्ली।

3) अध्ययन की दिशाएँ-अनिल रॉय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।

4) हिंदी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

5) गोरखनाथ और उनका युग, रांगेय राघव, आत्माराम एंड संस।

6) भारतीय साहित्य के निर्माता: चंदबरदाई, शांता सिंह, साहित्य अकादमी।

7) पृथ्वीराज भाषा और साहित्य, नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

8) खुसरो की हिंदी कविता, ब्रजरत्नदास, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी।

9) सिद्ध सरहप्पा, डॉ. विश्वम्भरनाथ उध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

10) आदिकालीन काव्य- डॉ वासुदेव सिंह विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

पाठ्यक्रम डिज़ाइनर का विवरण :

नाम: संगीता सिंह रॉय

संस्थान : भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत), धुबड़ी, असम

ईमेल: sangeetasinghroy795@gmail.com

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय हिन्दी

छमाही-प्रथम

पेपर नाम: <u>सम्प्रेषण एवं हिन्दी भाषा साहित्य</u>

पेपर कोड: **HIN-AEC -141**

क्रेडिट : 4 (सैधान्तिक क्रेडिट :4 व्यवहारिक क्रेडिट:0)

कुल अंक : 100(बाह्य परीक्षण:80 +आन्तरिक परीक्षण :20)

समयावधी : 60 घंटे (व्याख्यान:48 व्यवहारिक :00 ट्यूटोरियल -12

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम के मध्यम से विद्यार्थियों को भाषा के भिन्न भिन्न प्रसगो में लिखित अभिव्यक्ति प्रदान करन। इस पाठ्यक्रम का उदेश्य है।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :

1-हिंदी भाषा के माध्यम से भिन्न भिन्न प्रसंगो में हिंदी के माध्यम से लिखित अभिव्यक्ति के शिक्षण -प्रशिक्षण द्वारा विद्यार्थियों की हिंदी सम्प्रेषण क्षमता में वृद्धिलाना |

2-विद्यार्थी वर्ण,शब्द वाक्य के शुद्ध प्रयोग की क्षमता अर्जित करेंगे |

3-हिंदी की संवैधानिक स्थिति के प्रति समझ विकसित होगी |

4- विद्यार्थी प्रतियोगितामूलक परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर पाएँगे|

मुख्य पाठ्यक्रम :

इकाई (नामसहित)	क्रेडिट	**पाठ्यक्रम**	**कक्षा संख्या**	**अंक बाह्य परिक्षण +अंतरिक परीक्षण**
1 सम्प्रेषण कला	**1**	संप्रेषण की अवधारण।, महत्व, प्रकार, सम्प्रेषण की प्रकृति, सम्प्रेषण की विभिन्न मोडल , सम्प्रेषण की चुनोतिया संप्रेषण के नवीनतम मध्यम्	**15**	**25 (20+5)**
2. हिंदी व्याकरण	1	वर्ण विचार- परिभाषा, वर्ण भेद, वर्ण विचार। शब्द विचार - संज्ञा, सर्वनाम्, विशेषण ,	**15**	**25 (20+5)**

		उपसर्ग ,प्रत्यय, समास अर्थ विचार-विलोम शब्द,प्रयायवाची शब्द, समानार्थक शब्द। वाक्य विचार - वाक्य - का भेद एवं वाक्य के धारक।		
3. साहित्यिक कृतिया	1	<u>साहित्य</u> – आदिकाल-गोरखनाथ 2-3 कविता , भक्तिकाल-कबीरदास-साखी (1-5) , रीतिकाल-बिहारी-(1-5)दोहे , आधुनिककाल - रामधारी सिंह दिनकर -अवकाश वाली सभ्यता, माखन लाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा | गद्य - प्रेमचंद - मनोवृति हरिशंकर परसाई इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर (व्यंग्य)	**15**	**25 (20+5)**
4. हिंदी भाषा के विविध रूप	1	राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति (अनुच्छेद 343 से 354) हिंदी भाषा के विविध रूप - तकनिकी हिंदी ,बोलचाल की भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा	**15**	**25 (20+5)**

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ -</u>

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद, भारत भवन, पटना।

2. हिंदी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी समा, काशी।

3. कबीर ग्रंथावली-डॉ. स्यामसुदामा दास, नागरी प्रथारिणी सभा, दिल्ली।

4. राजभाषा हिन्दी - डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

5. दिनकर के काव्य में प्रगतिशील चेतना, देवजानी सेन, सार्थिक प्रकाशन, कोलकाता।

6. प्रेमचंद की कहानियाँ का समाजवादी विश्लेष्ण, अनिता रानी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

7. माखनलाल चतुर्वेदी: काव्य एवं दर्शन - डॉ. दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

8. व्यंग्य का सौंदर्यशास्त्र, मलय, शब्दसृष्टि प्रकाशन, सुधांशु एवं महयी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

9. हिंदी भाषा सम्प्रेषण और संचार, अनिरुद्ध कुमार।

पाठ्यक्रम डिज़ाइनर का विवरण :

नाम: संगीता सिंह रॉय

संस्थान : भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत), धुबड़ी, असम

ईमेल: sangeetasinghroy795@gmail.com

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय: हिन्दी

छमाहि प्रथम

पेपर नाम- <u>हिन्दीपत्रकारिता और मीडिया लेखन</u>

पेपर कोड: **HIN-MDC-131**

क्रेडिट :3 (सैधान्तिक क्रेडिट :3 व्यवहारिक क्रेडिट:0)

कुल अंक : 75(बाह्य परीक्षण:60 +आन्तरिक परीक्षण :20)

समयावधी :45 घंटे (व्याख्यान:35 व्यवहारिक :00 ट्यूटोरियल -10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम के मध्यम से विद्यार्थियों को पत्रकारिता के अनेक स्वरूप से परिचित कैराना इस पाठ्यक्रम का उदेश्य है।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :

1. विद्यार्थियों को साहित्यिक पत्रकारिता के स्वरूप से भली-भंति परिचित करना।

2. छात्र राष्ट्र-समाज हित में प्रहरी की तरह साकारात्मक क्षमता का प्रयोग करेंगे।

3. समाज की दशा एवं दिशा को नवीन आयामप्रदान करेंगे।

4. जनसंचार के विविध मध्यमो में लेखन कला की दक्षता प्राप्त कर पाएंगे।

मुख्य पाठ्यक्रम :

इकाई (नामसहित)	क्रेडिट	**पाठ्यक्रम**	**कक्षा संख्या**	**अंक बाह्य परिक्षण +अंतरिक परीक्षण**
1. हिंदी पत्रकारिता	1	<u>हिंदी पत्रकारिता</u>- उद्भव विकास, स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता जनसत्ता का सामान्य परिचय। पूर्वोत्तर भारत की हिंदी पत्र पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता	**15 Hours**	**25 (20+5)**

2. समाचार लेखन कला	1	समाचारसंचयन, समाचार सम्पादन, समाचार लेखन, फिचरलेखन समाचारे वाचन, समाचारे संयोजन, घोषना लेखन, |	**15 Hours**	**25 (20+5)**
3. विज्ञानपान लेखन	1	विज्ञापन, रिपोर्ट, पृष्ठ सज्जा , विज्ञापन की तकनीकी	**15 Hours**	**25 (20+5)**

सन्दर्भ ग्रन्थ **(Reference Books) :**

1. हिंदी पत्रकारिता - कल आज और कल - सुरेश गौतम |

2. पात्र संपदा कथा - नंद किशोर त्रिस्क |

3. मीडिया की भाषा - डॉ. वसुधा गाडगिल |

4. विज्ञानपान मध्यम एवं प्रचार - डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ |

5. पत्रकारिता के नये आयाम - एस.के.दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।

6. जन्माध्यम्: सम्प्रेषण और विकास - देवेन्द्र इष्ट |

पाठ्यक्रम डिज़ाइनर का विवरण :

नाम: संगीता सिंह रॉय

संस्थान : भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत), धुबड़ी, असम

ईमेल: sangeetasinghroy795@gmail.com

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय: हिंदी

छमाही: प्रथम

पेपर नाम: हिंदी भाषा और व्याकरण

पेपर कोड: HIN-SEC-131

क्रेडिट: 3 (सैद्धांतिक क्रेडिट: 2 + व्यावहारिक क्रेडिट: 1)

कुल अंक: 75 (बाह्य परीक्षण: 45 + व्यावहारिक परीक्षण: 30)

समयावधि: 60 घंटे (व्याख्यान:30 व्यावहारिक: 30 ट्यूटोरियल: 00)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को हिंदी की व्यावहारिक प्रयोगों-अनुप्रयोगों से परिचित कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी हिंदी की बनावट को समझते हुए अपने व्यक्तित्त्व में हिंदी से सम्बंधित आवश्यक योग्यताओं का विकास कर सकेगा।
2. विद्यार्थी भाषा एवं हिन्दी भाषा के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. अभ्यर्थी हिन्दी भाषा के विविध रूप तथा संवैधानिक स्थिति को जानने के साथ ही उसके व्यवहार में भी खुद की भूमिका रख पाएँगे।
4. विद्यार्थी हिंदी की व्याकरणिक कोटियों के बारे में जानेंगे।

(इस प्रश्नपत्र में व्यावहारिक परीक्षण हेतु एक निर्देशक के तत्तावाधन में विभाग की ओर से निर्धारित पाठ्यक्रम में से दिए गये विषय पर लगभग 1200 शब्दों में एक परियोजना रिपोर्ट (टंकित या हस्तलिखित रूप में) जमा करना होगा। विद्यार्थी को विभागाध्यक्ष, परियोजना निर्देशक, विभाग के अन्य प्राध्यापकगण तथा महाविद्यालय के अध्यक्ष या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि के समक्ष अपने कार्य की पुष्टि हेतु मौखिकी के रूप में प्रस्तुति देनी होगी।)

मुख्य पाठ्यक्रम:

इकाई (नामसहित)	**क्रेडिट**	**पाठ्य-विषय**	**कक्षा-संख्या**	**अंक (बाह्य परीक्षण+ आतंरिक परीक्षण)**
1	1	भाषा: परिभाषा, परिवर्तन के कारण,	20	25 (15+10)

भाषा एवं हिन्दी भाषा		हिंदी भाषा का उद्भव-विकास, हिंदी की प्रमुख बोलियों का संक्षिप्त परिचय		
2 हिन्दी भाषा के विविध रूप	1	हिंदी का विविध रूप: राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा; अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी, हिंदी की संवैधानिक स्थिति	20	25 (15+10)
3 व्याकरणिक कोटियाँ	1	व्याकरणिक कोटियों का सामान्य परिचय; लिंग, वचन, कारक एवं पुरुष का अध्ययन	20	25 (15+10)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. भाषाविज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा, भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली
2. पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी भाषा, भोलानाथ तिवारी, किताबमहल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

प्रत्यक्ष कक्षाएँ: 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ: 0

पाठ्यक्रम डिजाईनर का विवरण:

नाम: कल्पना पाठक

संस्थान: भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत्त), धुबरी, असम

ईमेल: jupitarapathak2014@gmail.com

Department of Hindi

B.N. College (Autonomous), Dhubri

Syllabus for FLYGP-B.A. Major in Hindi

(4 Year Degree Course)

(Approved in the BOS meeting)

हिन्दी विभाग

बी.एन. कॉलेज (स्वायत्त), धुबरी

(हिन्दी में FLYGP-बी.ए. मेजर के लिए चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम)

Submitted to IQAC ON 28.02.2025

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय: हिंदी

छमाही: द्वितीय

पेपर नाम: भक्तिकालीन हिंदी साहित्य

पेपर कोड: HIN-DSC/DSE-142

क्रेडिट: 4 (सैद्धांतिक क्रेडिट: 4 + व्यावहारिक क्रेडिट: 0)

कुल अंक: 100 (बाह्य परीक्षण: 80 + आतंरिक परीक्षण: 20)

समयावधि: 60 घंटे (व्याख्यान: 45 व्यावहारिक: 00 ट्यूटोरियल: 15)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

विद्यार्थियों को हिंदी साहित्येतिहास के भक्तिकाल के बारे में सम्यक जानकारी देना तथा भक्तिकालीन कवियों एवं उनके रचनाओं से परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। साथ ही भक्तिकालीन काव्यधारा, जैसे- सगुण और निर्गुण काव्यधारा की भी विस्तृत जानकारी देना इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा है।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी भक्ति आन्दोलन के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे।
2. अभ्यर्थी इस पाठ्यक्रम के ज्ञान द्वारा तत्कालीन भारत की सांस्कृतिक चेतना से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी भक्तिकालीन काव्यधाराओं के बारे में भी जानेंगे।
4. भक्तिकाल के प्रतिनिधि कवियों की वैचारिक और काव्यगत विशेषताओं को समझ सकेंगे।
5. विद्यार्थी भक्तिकाल की प्रमुख रचनाओं से अवगत होंगे।

मुख्य पाठ्यक्रम:

इकाई (नामसहित)	**क्रेडिट**	**पाठ्य-विषय**	**कक्षा-संख्या**	**अंक (बाह्य परीक्षण+ आतंरिक परीक्षण)**

1 **भक्ति आन्दोलन और पृष्ठभूमि**	1	भक्ति आन्दोलन- उदय और प्रसार, भक्तिकालीन काव्य पृष्ठभूमि, प्रवृत्ति एवं परिस्थितियाँ	15	25 (20+5)
2 **भक्तिकालीन काव्यधारा**	1	भक्ति काव्य की धाराएँ: निर्गुण-सगुण, संप्रदाय निरपेक्ष का सामान्य परिचय संतकाव्य, सूफ़ीकाव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य	15	25 (20+5)
3 **निर्गुण काव्य**	1	कबीर: साखी : 6-15 जायसी: नागमती वियोग खण्ड	15	25 (20+5)
4 **सगुण एवं संप्रदाय निरपेक्ष काव्य**	1	सूरदास: बाल-वर्णन, भ्रमरगीत तुलसीदास: कवितावली (1-5 पद), मीराबाई: मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई, पग घुंघरू बांधि मीरां नाची रसखान: मानुष हौं तो वही रसखानि, कल काननि कुंडल मोरपखा	15	25 (20+5)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र (संपा.), डॉ. हरदयाल (सह संपा), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भक्ति-आन्दोलन और भक्ति-काव्य, शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. पद्मावत, मालिक मुहम्मद जायसी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (संपा), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. मध्ययुगीन काव्य: डॉ. बृजनारायण सिंह (संपा), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
7. सूर और उनका साहित्य, डॉ. हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
8. कवितावली- गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर

9. मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली, डॉ. रामकिशोर शर्मा एवं डॉ. सुजीत कुमार शर्मा (संपा.); लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. रसखान ग्रंथावली सटीक, प्रो० देशराजसिंह भाटी, अशोक प्रकाशन,

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

प्रत्यक्ष कक्षाएँ: 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ: 0

पाठ्यक्रम डिजाईनर का विवरण:

नाम: डॉ. कल्पना पाठक

संस्थान: भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत्त), धुबरी, असम

ईमेल: jupitarapathak2014@gmail.com

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय: हिंदी

छमाही: द्वितीय

पेपर नाम: प्रयोजनमूलक हिंदी

पेपर कोड: HIN-AEC-142

क्रेडिट: 4 (सैद्धांतिक क्रेडिट: 4+व्यावहारिक क्रेडिट: 0)

कुल अंक: 100 (बाह्य परीक्षण: 80 + आतंरिक परीक्षण: 20)

समयावधि: 60 घंटे (व्याख्यान: 45 व्यावहारिक: 00 ट्यूटोरियल: 15)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के रूपों एवं शैलियों का बोध हो सकेगा। यह पाठ्यक्रम एक ऐसे दुभाषिये का भी निर्माण करेगा जो हिंदी के वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में सुगमता पूर्वक कार्य सम्पन्न कर सकेगा।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. विद्यार्थी प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् हिंदी की अनुप्रयुक्त रूपों को समझ सकेगा।
2. अभ्यर्थी हिंदी के वृहत्तर क्षेत्रों में अबाधित रूप से कार्य का संपादन कर सकेगा।
3. पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी के बारे में सम्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी जनसंचार माध्यम का भी ज्ञान एकत्रित कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी भाषा व्यवहार तथा कार्यालयीन पत्रों से परिचित होंगे।

मुख्य पाठ्यक्रम:

इकाई (नामसहित)	**क्रेडिट**	**पाठ्य-विषय**	**कक्षा-संख्या**	**अंक (बाह्य परीक्षण+ आतंरिक परीक्षण)**
1 प्रयोजनमूलक हिंदी	1	प्रयोजनमूलक हिंदी: परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, प्रकार (कार्यालयी	15	25 (20+5)

		हिंदी, विज्ञान एवं कंप्यूटर की हिन्दी, व्यावसायिक हिंदी)		
2 जन-संचार माध्यम	1	जन-संचार माध्यम: अर्थ, इतिहास, विविध आयाम, वर्गीकरण लिखित, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य माध्यम, जन-संचार के विविध माध्यमों की भाषा	15	25 (20+5)
3 भाषा-व्यवहार	1	भाषा-व्यवहार: सरकारी पत्राचार; टिप्पण और प्रारूपण का सामान्य परिचय	15	25 (20+5)
4 लेखन ज्ञान	1	आशय लेखन, अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, पत्र लेखन, संक्षेपण, भाव-पल्लवन	15	25 (20+5)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी, रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. जनसंचार माध्यम विविध आयाम, बृजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण, डॉ. अमूल्य बर्मन, असम हिंदी प्रकाशन, गुवाहाटी
5. जनसंचार, राधेश्याम शर्मा (संपा), हरियाणा साहित्य अकादेमी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका, कैलाशचन्द्र पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. आधुनिक हिंदी व्याकरण और अर्चना, डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, नई दिल्ली

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 60

प्रत्यक्ष कक्षाएँ: 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ: 0

पाठ्यक्रम डिजाईनर का विवरण:

नाम: डॉ. कल्पना पाठक

संस्थान: भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत्त), धुबरी, असम

ईमेल: jupitarapathak2014@gmail.com

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय: हिंदी

छमाही: द्वितीय

पेपर नाम: भाषा कौशल

पेपर कोड: HIN-SEC-132

क्रेडिट: 3 (सैद्धांतिक क्रेडिट: 3+व्यावहारिक क्रेडिट: 0)

कुल अंक: 75 (बाह्य परीक्षण: 60 + आतंरिक परीक्षण: 15)

समयावधि: 45 घंटे (व्याख्यान:35 व्यावहारिक: 00 ट्यूटोरियल: 10)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्त्तमान मीडिया युग के अनुकूल भाषा कौशल से परिचित कराना इसका उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. विद्यार्थी दैनिक, शैक्षणिक एवं रोजगार की दिशा में अपनी अभिव्यक्ति को संतुलित कर पाएंगे। आगामी सत्र में मीडिया समग्र निर्माण के लिए भाषाई सामर्थ्य विकसित कर पाएंगे।
2. वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपनी भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे। अकादमिक समग्री के पठन एवं उत्तर पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
3. रोज़गार की अपार संभावनाओं के साथ मीडिया जगत में अपनी प्रतिभा को सार्थक कर पाएंगे।

मुख्य पाठ्यक्रम :

इकाई (नामसहित)	**क्रेडिट**	**पाठ्य विषय**	**कक्षा-संख्या**	**अंक (बाह्य परीक्षण + आंतरिक परीक्षण)**

1 **भाषा शिक्षण**	1	**भाषा कौशल:** अवधारणा, उपयोगिता एवं पद्धतियाँ **भाषा के विविध सोपान:** श्रवण, भाषण, पठन, लेखन **मीडिया का भाषा बोध:** अवधारणा एवं उपयोगिता **विविध माध्यम** : मुद्रित, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य एवं नव माध्यम	**15**	**25 (20+5)**
2 **भाषा बोध**	1	**भाषा बोधन :** शब्द पद और वाक्य स्तर पर **मीडिया का भाषा बोध :** अवधारणा एवं उपयोगिता	**15**	**25 (20+5)**
3. **जनसंचार की भाषा**	1	**गृह कार्य /फ़ील्ड कार्य (प्रदत्त कार्य) :** प्रिंट लेखन एवं सम्पादन, श्रुति लेखन एवं सम्पादन, दृश्य-श्रव्य एवं सम्पादन, डिजिटल लेखन ब्लॉग लेखन, कंटेंट राइटिंग एवं सम्पादन, प्रूफ़ रीडिंग | (इनमें से किसी एक विषय पर)	**15**	**25 (20+5)**

सन्दर्भ ग्रन्थ (Reference Books) :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन इलाहबाद |
2. हिंदी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी|

3. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ. माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4. मिडिया लेखन और सम्पादन कला, गोविंद प्रसाद एवं अनुपम पांडे डिस्कवरी हाउस, दिल्ली |
5. मिडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |

पाठ्यक्रम डिज़ाइनर का विवरण :

नाम: संगीता सिंह रॉय

संस्थान : भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत), धुबड़ी, असम

ईमेल: sangeetasinghroy795@gmail.com

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय: हिंदी

छमाही: द्वितीय

पेपर नाम: अनुवाद: सिद्धांत और प्रविधि

पेपर कोड: HIN-MDC-132

क्रेडिट: 3 (सैद्धांतिक क्रेडिट: 3+व्यावहारिक क्रेडिट: 0)

कुल अंक: 75 (बाह्य परीक्षण: 60 + आतंरिक परीक्षण: 15)

समयावधि: 45 घंटे (व्याख्यान:35 व्यावहारिक: 00 ट्यूटोरियल: 10)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी को मनुष्य जीवन में अनुवाद की अपरिहार्य केन्द्रीय भूमिका को रेखांकित करेगा। अनुवाद की चुनौतियों और जटिलताओं का एक सम्यक समाधान प्रस्तुत करना भी इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य होगा।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी अनुवाद और उसके आनुसंगिक कार्यों को सम्पादित करने की क्षमता विकसित कर सकेगा।
2. वह यह भी समझ सकेगा कि इतिहास से भविष्य तक अनुवाद हमारे जीवन में कैसे हस्तक्षेप करता है और कर सकता है।
3. विद्यार्थी अनुवाद के प्रकारों से अवगत हो सकेंगे।
4. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् अभ्यर्थी अनुवाद के चरण और अनुवाद की भूमिका एवं महत्त्व के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद से परिचित होंगे और तकनीकी अनुवाद के बारे में भी जानेंगे।

मुख्य पाठ्यक्रम:

इकाई (नामसहित)	**क्रेडिट**	**पाठ्य-विषय**	**कक्षा-संख्या**	**अंक (बाह्य परीक्षण+ आतंरिक परीक्षण)**

1 **अनुवाद एवं प्रकार**	1	अनुवाद: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति, आवश्यकता अनुवाद के प्रकार: शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद	15	25 (20+5)
2 **अनुवाद के चरण और भूमिका**	1	अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण- विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन आज के सन्दर्भ में अनुवाद की भूमिका- पाठक की भूमिका (अर्थ ग्रहण में), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थान्तरण में), रचयिता की भूमिका (अर्थ सम्प्रेषण में)	15	25 (20+5)
3 **सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद**	1	सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ, गद्यानुवाद और पद्यानुवाद में अंतर सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अंतर, अनुवाद (पारस्परिक रूप से हिन्दी-असमिया अथवा हिन्दी- अंग्रेजी के कुछ अंशों का)	15	25 (20+5)

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. अनुवाद एवं भाषांतरण, रविन्द्र गर्गेश, ओरिएंट ब्लैक स्वान, हैदराबाद
2. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अनुवाद विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद सुधा (भाग-1), डॉ. अच्युत शर्मा, शब्द भारती, गुवाहाटी
5. अनुवाद सुधा (भाग-2), डॉ. अच्युत शर्मा, शब्द भारती, गुवाहाटी

आवश्यक कक्षाओं की संख्या: 45

प्रत्यक्ष कक्षाएँ: 45

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ: 0

पाठ्यक्रम डिजाईनर का विवरण:

नाम: डॉ. कल्पना पाठक

संस्थान: भोलानाथ महाविद्यालय (स्वायत्त), धुबरी, असम

ईमेल: jupitarapathak2014@gmail.com